नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण और विकास संगठन संघ (IFTDO) के 49वें विश्व सम्मेलन और प्रदर्शनी, 2022 के उद्घाटन के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष के उपयोग हेतु भाषण।

---

1. आज यहाँ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (ISTD) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण और विकास संगठन संघ (IFTDO) के 49वें विश्व सम्मेलन और प्रदर्शनी, 2022 के उद्घाटन के अवसर आप सभी के बीच आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

2. इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (ISTD) का साधुवाद कि उन्होंने इस ग्लोबल कॉनफेरेंस का आयोजन किया है। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि इस सम्मेलन में भारत सहित नाइजीरिया, बहरीन, बांग्लादेश, बोस्निया, आयरलैंड, मॉरीशस, यूके, ओमान और जॉर्डन आदि देशों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

3. साथियो, पिछले पांच दशकों के दौरान ISTD ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों तथा अन्य व्यावसायिक निकायों के कर्मचारियों के प्रशिक्षण और विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि यह संगठन इस क्षेत्र में कार्य कर रहे महत्वपूर्ण वैश्विक संगठनों से भी संबद्ध है।

4. IFTDO ने लगभग पांच दशक पहले जेनेवा में अपनी स्थापना के बाद से मानव संसाधन के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। संगठन ने व्यक्तिगत विकास, कार्य-निष्पादन, उत्पादकता और सतत विकास को बढ़ाने के लिए उपयुक्त ज्ञान, कौशल और प्रौद्योगिकी की पहचान, विकास और अंतरण हेतु प्रतिबद्ध एक विश्वव्यापी नेटवर्क तैयार किया है।

5. यह दुनिया के ऐसे बहुराष्ट्रीय प्रशिक्षण और विकास संगठनों में से है, जिसमें संगठन का नेतृत्व कर रहे निदेशक मंडल में सही मायने में काफी विविधता है। इसके सदस्यों से मानव संसाधन प्रबंधन और विकास संगठनों का वैश्विक स्तर पर एक व्यापक नेटवर्क निर्मित हुआ है, जो विभिन्न संगठनों और उद्यमों में काम कर रहे मानव संसाधन प्रोफेशनल्स को परस्पर जोड़ते हैं।

इस नेटवर्क में 30 से अधिक देशों में 50,000 से अधिक प्रोफेशनल्स हैं।

6. वर्तमान में यह नेटवर्क 30 से अधिक देशों में 50,000 से अधिक प्रोफेशनल्स का प्रतिनिधित्व करता है। IFTDO जीवन की बेहतरी के लिए विश्व भर में काम कर रहे मानव संसाधन विकास से संबंधित प्रोफेशनल्स के लिए प्रभावी माध्यम होने के अपने विज़न को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है।

7. सभी संगठनों में समय-समय पर आमूल-चूल परिवर्तन होते हैं, लेकिन कई संगठनों के लिए मौजूदा परिवर्तन पहले से कहीं अधिक तीव्र और चुनौतियों से भरा है। यह परिवर्तन कई कारणों से हुआ है जैसे कनेक्टिविटी, प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग, आदि।

वैश्विक महामारी तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं स्थिरता जैसी चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं जिसने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी एवं छोटी सभी कंपनियों के लिए मुश्किलें उत्पन्न कर दी हैं। आर्टफिशियल इन्टेलिजन्स, मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक चुनौतियाँ भी हैं जो कॉर्पोरेट सेक्टर को लगातार नवाचार करने के लिए प्रेरित करती है।

8. मित्रो, इस सम्मेलन का विषय **"त्वरित कार्य प्रणाली हेतु रणनीतियाँ: नए युग में पदार्पण"** रखा गया है जो कोविड उपरांत विश्व के परिप्रेक्ष्य में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक है। दो वर्ष पहले कोविड महामारी ने पूरे विश्व की सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया था।

9. सम्पूर्ण विश्व के लिए यह एक अभूतपूर्व परिदृश्य था जब अचानक सभी उत्पादन कार्य एवं व्यवसाय रुक गए थे। संभवतः यह इस सदी का सबसे बड़ा disruption था। परंतु आप सबने मिलकर इसका समाधान निकाला, work from home की संकल्पना आई, और आज आप सबके प्रयासों से वैश्विक अर्थव्यवस्था पुनः ट्रैक पर आ रही है।

10. Disruption का समय अत्यंत कठिन होता है, परंतु यह हमें नई सीख भी देता है, नए मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देता है। मुझे यह जानकर खुशी है कि सम्मेलन के दौरान इस विषय पर आप सभी विशेषज्ञों द्वारा गहन विचार मंथन किया जाएगा।

11. इसी विषय को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन के सत्रों के लिए '**कौशल, प्रौद्योगिकी, बाज़ार तथा सस्टेनेबिलिटी**' चार उप-विषय निर्धारित किए गए हैं।

12. विभिन्न क्षेत्रों से आए भारत और विदेश के अनेक विशेष वक्ता इन सत्रों में भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण और विचार रखेंगे, जिनका ताना-बाना एक व्यापक परिदृश्य प्रस्तुत करेगा।

13. **मुझे विश्वास है कि इस सम्मेलन के अंदर विचार विमर्श तथा यहाँ लिए गए निर्णयों से पूरे विश्व के कॉर्पोरेट जगत को, व्यवसाय जगत को एक नई दिशा मिलेगी।**

14. यहाँ आयोजित प्रदर्शनी कंपनियों और स्टार्ट-अप्स के लिए अपने उत्पादों और सेवाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का एक अच्छा अवसर होगी।

15. यह सम्मेलन वैश्विक, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर सभी हितधारकों को इस संबंध में अपने विचार प्रस्तुत करने का एक उत्तम अवसर है। इस परिचर्चा के दौरान किया गया विचार-विमर्श हमारे भावी मार्ग को सुगम बनाएगा।

16. मित्रो, व्यवसाय तभी फल-फूल सकेंगे, जब उनमें बदलते माहौल के साथ तेज़ी से बदलने की क्षमता हो। कंपनी लीडर्स को अपने बिज़नेस मॉडल्स के बारे में मंथन कर उनमें बदलाव लाना होगा। संगठनों और उनकी मानव संसाधन टीम को प्रौद्योगिकी की सहायता से अपने कार्मिकों के कौशल को **up-to-date** रखना होगा।

17. प्रौद्योगिकी का उपयोग कर संगठन के अग्रणी अधिकारी एक ऐसा प्रभावी और कुशल कार्यबल तैयार कर सकते हैं जो परिवर्तनशील व्यापारिक परिदृश्य के साथ कदम मिलाकर चलने के काबिल हो।

18. नित नई प्रौद्योगिकियों के कारण अब तक मानव द्वारा किए गए कार्य अब मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं और ऐसे कार्यों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इस वजह से वैश्विक श्रम बाज़ार के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आ रहा है।

19. यदि इस परिवर्तन का रचनात्मक उपयोग किया जाए, तो इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और सभी के जीवन में सुधार आएगा। परंतु यदि ऐसा नहीं किया गया तो इस परिवर्तन के परिणामस्वरूप कार्मिकों की कुशलता में कमी आएगी तथा असमानता और ध्रुवीकरण में वृद्धि होगी।

20. साथियो, आज कार्मिकों को एक ही ढर्रे पर कामकाज करने के तरीके बदलकर एक अभिनव कार्यप्रणाली अपनानी होगी और इसके लिए उन्हें सीखने की क्षमता बढ़ाने की इच्छाशक्ति विकसित करनी होगी।

21. साथ ही, जो लोग अपने रोजगार गंवा बैठे हैं, वे अपने कौशल का अन्यत्र उपयोग कर पाएँ अथवा नया कौशल सीख पाएँ, इसमें उनकी सहायता करने में नीति निर्माताओं, विनियामकों और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

22. इन्हें नए, जल्दी सीखने वाले कार्यबल को तैयार करने के लिए गहन प्रयास करने चाहिए जिसमें शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणाली में सुधार लाना और बदलते समय और प्रौद्योगिकी के साथ चलने के लिए श्रम और शिक्षा संबंधी नीतियों में परिवर्तन करना शामिल है।

23. **नई प्रौद्योगिकियाँ कारोबार में वृद्धि कर सकती हैं, रोजगार के अवसर सृजित कर सकती हैं और विशेष कौशलों की माँग को बढ़ा सकती हैं।** परंतु हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि इनके कारण हमारे मानव संसाधन प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि इस सम्मेलन में इस पक्ष पर भी व्यापक विचार विनिमय होगा तथा इस महत्वपूर्ण समस्या का एक उचित समाधान निकलेगा।

24. मुझे पूरी उम्मीद है कि आईएफटीडीओ व्यक्ति और संगठन को और कार्यक्षम बनाने के लिए समाज के सभी क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास को एक प्रभावी उपाय के रूप में बढ़ावा देता रहेगा।

25. मैं एक बार फिर ISTD को बधाई देता हूँ और उनके द्वारा आयोजित किए जा रहे 49वें IFTDO विश्व सम्मेलन और प्रदर्शनी, 2022 की सफलता की कामना करता हूँ। मैं उनके सभी भावी प्रयासों के लिए भी ISTD को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ। धन्यवाद।